

६ - इटली के एकीकरण में मेजिनी, काबूर और मैरीवाल्डी के योगदानों का वर्णन करें।

मेजिनी - १. मेजिनी का योगदान - मेजिनी विभिन्न विद्वानों तथा लेखकों की कृतियों को पढ़ा जिससे उसमें राष्ट्रवादी भावनाओं जाग्रत हुई तथा राष्ट्रवादी भावनाओं से प्रेरित होकर १८३१ ई० में मंग इटली तथा १८३६ ई० में मंग युरोप नामक गुप्त कृतिकारी संगठन बनाकर इटली के एकीकरण के प्रयास में लग गया। उधर सर्डिनिया पीजमेंट के शासक - कार्ल्स एल्फर्ट ने इटली का एकीकरण अपने नेतृत्व में करना चाहता था उधर पोप भी इटली को धार्मिक राजा बनाना चाहता था। कलांतर में ऑस्ट्रिया ने इटली के कुछ भागों पर आक्रमण कर दिया जिसमें सर्डिनिया पीजमेंट का शासक पराजित हुआ। ऑस्ट्रिया ने इटली के जनवादी भावनाओं को कुचल कर दिया। मेजिनी की पुनः हार हुई और वह इटली से पलायन कर गया।

२. काबूर का योगदान - काबूर एक सफल राजनीतिज्ञ एवं कुतूबिज्ञ था। वह इटली के एकीकरण में सबसे बड़ी भूमिका अदा करने को मानता था। उसने फ्रांस के साथ सैन्य सहायता कर क्रिया के युद्ध में फ्रांस के साथ बिना आग्रह के भी काबूर ने फ्रांस की ओर से युद्ध में सम्मिलित होने की घोषणा कर दिया। काबूर ने नेपोलियन (III) से समझौता किया जिससे फ्रांस ने ऑस्ट्रिया के खिलाफ सैन्य समर्थन देने का वादा किया तथा इटली और ऑस्ट्रिया के बीच सीमा विवाद के कारण युद्ध आरम्भ हो गया। फ्रांस ने ऑस्ट्रिया के खिलाफ सेना उभार दी। परिणाम स्वरूप ऑस्ट्रिया बुरी तरह पराजित हुआ। ऑस्ट्रिया का एक बड़ा भाग लोम्बार्डी पर पीजमेंट का कब्जा हो गया। इसे काबूर ने जनमत संग्रह करा कर पुष्ट कर लिया। इस प्रकार काबूर के प्रयासों से इटली के एकीकरण का महत्वपूर्ण चरण पूरा हुआ।

3. जैरिवाल्डी - इटली के एकीकरण में जैरिवाल्डी का भी महत्वपूर्ण भोगदान था। वह राष्ट्रवाद से प्रेरित होकर पंग इटली की सदस्यता ग्रहण की। उसने सैनिक क्षेत्र में मसरत हासिल की। क्रान्तिकारी गतिविधियों में भाग लेने के कारण उसे कृत्यदण्ड की सजा सुनाई गयी थी। परन्तु वह भाग कर विदेश चला गया। एकीकरण की प्रक्रिया में उसने अनेक युद्ध किये। तथा सिरिली एवं नेपल्स पर अधिकार कर लिया तथा इन्हीं सड़किया में भिजा लिया गया। इस प्रकार इटली के एकीकरण में जैरिवाल्डी का महान भोगदान रहा।